लौह अयस्क

- भारत में लौह अयस्क प्रायद्वीपीय भारत के धारवाड़ समूह के चट्टानों में मिलते हैं।
- चार प्रकार के लौह अयस्क मिलते हैं।

1. मैग्नेटाइट (Fe_3O_4) (फेरिक ऑक्साइड)
   - इसमें धातु का अंश 72% तक
   - रंग काला लेकिन सर्वोत्तम किस्म का लौह अयस्क
   - संचित भंडार — कर्नाटक के कुद्रेमुख, TN-के सलेम, AP, JH के सिंहभूम, थोड़ा बहुत केरल में

2. हेमाटाइट — Fe_2O_3
   - धातु का अंश 60–70%
   - रंग — लाल
   - यह सामान्य किस्म का लौह अयस्क है।
   - कुल संचित भंडार 1150 करोड़ टन
     JH + उड़ीसा (570 करोड़ टन), MP, CH, महा MH — 300 करोड़ टन
     कर्नाटक 145, गोवा, दमन MH — 46, AP — 16

हेमाटाइट का वितरण

(i) गोवा — मांडवी व जुआरी नदी के ऊपरी भाग में पाया जाता है।
   - यहाँ से लौह अयस्क को अरब सागर का मर्मागोवा बंदरगाह से जापान को निर्यात

(iii) छत्तीसगढ़ — बस्तर जिला के बैलाडिला, रावघाट,
दुर्ग जिला के डॉलीराजहरा, लोहारापीपलगाँव-खान
– बैलाडिला का लौह अयस्क विशाखापत्तनम बंदरगाह से जापान को निर्यात
– डॉलीराजहरा के अयस्क — भिलाई इस्पात संयंत्र को

(iii) महाराष्ट्र – रत्नागिरी जिला, चांदा जिला के पीपलगाँव और सूरजगढ़ क्षेत्र से

(iv) झारखंड — सिंहभूम जिला में
– नोवामुंडी, गुआ, जामदा, मनोहरपुर – खान केन्द्र
– जमशेदपुर, बोकारो, IISCO इस्पात संयंत्र को

(v) उड़ीसा — क्योंझर, बोनाई, मयूरभंज जिला
– गुरुमहिसानी, बादामपहाड़, किरीबुरु, सुलेपाट
– पारादीप बंदरगाह से निर्यात

(vi) कर्नाटक — चिकमंगलूर जिला – बाबाबूदन की पहाड़ी, कुद्रेमुख से
बेलारी जिला— हॉसपेट संडूर क्षेत्र से
चित्रदुर्ग, शिमोगा जिला
– बाबा बूदन की पहाड़ी से → भद्रावती इस्पात संयंत्र
कुद्रेमुख के लौह अयस्क — मंगलौर से इराक को

(vii) तमिलनाडु – सलेम जिला – त्रिचराय की पहाड़ी से, कोनजामलाई, तीर्थमलाई] सलेम इस्पात संयंत्र

(viii) आंध्रप्रदेश — कृष्णा, कुरनूल, कुडप्पा, गुंटूर, पारंगम चित्तूर जिले

(3) लिमोनाइट — $2FeO_3$
– धातु का अंश — 40–60%
– रंग – हल्का पीला और भूरा
– ये परतदार चट्टानों के मध्य पाये जाते हैं
– संचित भंडार — WB के रानीगंज, पुरुलिया

4. सिडेराइट — यह ऐसा लौह अयस्क है जिसमें CO_2 होता है – $FeCO_3$
– धातु का अंश – 40–50%
– इसमें कार्बन का अंश अधिक — घटिया
– भारत में नगण्य